आरोपियों के पास से चोरी की मोबाइल व अन्य सामान जब्त : रायगढ़। चोरी का सामान खपाने के लिए घूम रहे दो आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। आरोपियों के पास से चोरी की मोबाइल व अन्य सामान जब्त किया गया है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शहर के बढपारा निवासी मोहम्मद करीब पिता वसीर व बिरजु मानिकपुरी पिता बसंत मानिकपुरी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में घूम रहे थे। इस बात की जानकारी पुलिस को मुखबिर से मिली। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दोनों संदिग्धों को हिरासत में लिया गया।

नया रेल लाइन : कटघोरा, सिंधुगढ़, कोरबा जैसे स्टेशन होंगे शामिल

रायगढ़। ईस्ट रेल कॉरीडोर के फेस एक का काम तेजी के साथ जारी है। इस निर्माण कार्य को 2020 तक पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। रेल लाइन निर्माण के लिए छग ईस्ट रेलवे लिमिटेड ने डीपीआर तैयार कर लिया है। इस पूरे प्रोजेक्ट में लगभग 1555 करोड़ रुपए की लागत आने की बात कही जा रही है। अभी खरसिया से धरमजयगढ़ तक ईस्ट रेल कॉरीडोर फेस एक का काम खरसिया से धरमजयगढ़ के बीच तेजी से चल रहा है। 132 किमी लंबी इस रेल लाइन के लिए 3055 करोड़ की लागत से रेल पटरिया बिछाई जा रही है।

फेस एक का काम सितंबर 2018 तक पूरा होने की बात कही जा रही थी, लेकिन ग्रामीणों के विरोध व टेक्नीकल पेंच आने से इस कार्य में भी देरी हो रही है। जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड (सीईआरएल) ने ईस्ट रेल कॉरीडोर ने दोनों रेल लाइन के निर्माण को 2020 तक पूरा करने का टारगेट रखा है। बताया जा रहा है कि खरसिया से कोरबा और गेवरा रोड से पेंड्रा रोड तक दो रेल लाइन के बन जाने से इस क्षेत्र के आर्थिक विकास होने के आसार हैं। इस रेलमार्ग पर दीपिका, कटघोरा, सिंधुगढ़, पसान, कोरबा जैसे स्टेशन शामिल होंगे। रेल लाइन का उपयोग मुख्य रूप से कोयला परिवहन के लिए किया जा रहा है, लकिन इसके साथ ही साथ इस लाइन में पैसेंजर ट्रेनों के संचालन की भी बात कही जा रही है।

बताया जा रहा है कि इस क्षेत्र में जहां काफी मात्रा में जंगल का क्षेत्र आ रहा है तो वहीं भारी संख्या में बड़े-बड़े उद्योग भी स्थापित हैं। इससे रेलवे मंत्रालय और स्टेट गर्वमेंट दोनों को भारी भरकम राजस्व मिलेगा। इस रेल लाइन के विस्तार के लिए राज्य से लेकर केंद्र तक की पूरी नजर है। निर्माण की लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है।

निर्माण के दौरान हाथियों के दल को विचरण करने में किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो इसके लिए वन विभाग का अमला भी मदद में जुटा हआ है। रायगढ़ व धरमजयगढ़ वन मंडल के अधिकारियों का कहना है कि विकास के लिए रेल लाइन का विस्तार काफी आश्वश्यक है, लेकिन जिस तकनीक से निर्माण हो रहा है उससे हाथियों व जंगल के अन्य वन्य प्राणियों को परेशानी नहीं होगी। यह काफी अहम बात है।

निगरानी के साथ तेजी से हो रहा है निर्माण

इस रेल मार्ग के विस्तार का कार्य काफी तेजी से किया जा रहा है। इसके निर्माण में कहीं भी कोई चूक न होने पाए इसके लिए निगरानी दल व एजेंसियां भी पूरी तरह से काम कर रही हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि एक बार निर्माण होने के बाद आरओवी के ऊपर जंगल का स्वरूप दे दिया जाएगा तो उसके बाद उसे पुन: निर्माण करने में परेशानी आएगी। इसलिए इस तकनीकी के तहत काम किया जा रहा है, जिससे कि भविष्य में केवल सुधार की ही कवायद की जा सके।

आरओबी के नीचे से गुजरेंगी ट्रेनें, ऊपर से गुजरेगा हाथियों का दल

धरमजयगढ़ से कोरबा के लिए विस्तारित रेल लाइन में जंगली क्षेत्र में बनाए जा रहे पांचों आरओबी हाथी को देखते हुए बनाए जा रहे हैं। यह इस टेक्नोलॉजी से बनाए जा रहे हैं कि हाथियों को उनके विचरण के दौरान कहीं से कोई अवरोध न होने पाए। इससे हाथियों का दल जहां नीचे गुजरेगा वह आरओबी के ऊपर से ट्रेन गुजारी जाएगी तो जहां हाथियों का दल ऊचाई वाले क्षेत्र से गुजरेगा वहां ट्रेन को आरओबी के नीचे से गुजारा जाएगा। इससे ट्रेन हाथियों के विचरण में कहीं से भी अवरोधक नहीं बनेगी।

धरमजयगढ़ में तीन, रायगढ़ में बनेंगे दो आरओबी

वन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक कोरबा से लेकर धरमजयगढ़ को जोडने़ वाली इस रेल लाइन में कुल पांच एलीफैंट फ्रेंडली आरओबी व अंडर ब्रिज बनाए जा रहे हैं। इसमें तीन रेलवे ब्रिज धरमजयगढ़ में बनेंगे, जिसमें दो ओवर ब्रिज होंगे जो कि 369 आरएफ के धरमजयगढ़ और 420 आरएफ क्रौंधा के पास बनेगा। इसके साथ ही यहां एक अंडर रेल ब्रिज बनेगा जिसमें रेल जमीन के नीचे से गुजरेगी। इसी तरह के दो रेल अंडर ब्रिज रायगढ़ वनमंडल के घरघोड़ा क्षेत्र में भी बनाए जा रहे हैं। इसके निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। इसमें अंडर ब्रिज का निर्माण पूरा हो गया है। वर्तमान में वहां नीचे रेलवे ट्रैक व ऊपर ब्रिज को मिट्टी से पाटने का कार्य चल रहा है। जैसे ही यह काम पूरा हो गया ब्रिज के ऊपर पेड़ पौधे लगा कर उसे जंगल का स्वरूप दिया जाएगा।

किशोरी के साथ हुई हरकत पर हाईकोर्ट ने मांगी जानकारी

बिलासपुर। जस्टिस गौतम भादुड़ी की एकलपीठ ने शिकायत लिखाने गई किशोरी को रात 12 बजे तक थाने में बिठाने के बाद भी शिकायत नहीं लिखने और परिजनों को प्रताड़ित किए जाने के मामले में महिला थाना प्रभारी और एसपी बिलासपुर से प्रकरण की पूरी जानकारी समेत अब तक की गई कार्यवाही की जानकारी मांगी है। सिरगिट्टी की 14 वर्षीय एक किशोरी 14 अगस्त 2018 को अपने दो मित्रों के साथ मिलकर कुछ गलत हरकत कर बैठी, बाद में पछतावा होने पर अपने माता-पिता को मामले की जानकारी दी।

माता-पिता ने इस मामले से सामाजिक कार्यकर्ता प्रियंका शुक्ला को अवगत कराया। शुक्ला ने उन्हें आईजी से मिलने के लिए भेजा, आईजी ने एसपी के पास भेज दिया। वहां से युवती को महिला थाना भेज कर शिकायत लिखाने के लिए कहा गया। 21 सितंबर को किशोरी महिला थाना गई, लेकिन थाना प्रभारी ने रात 12 तक बिठाए रखने के बाद भी युवती की शिकायत नहीं लिखी। 23 सितंबर को किशोरी ओर दो युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई।

गला दबाकर मां की हत्या की, शव बाड़ी में दफनाया

पथरिया/मुंगेली। टोना-टोटका करने के शक पर बेटे ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर मां की गला दबाकर हत्या कर दी और शव को बोरी में भरकर बाड़ी में दफना दिया। मामले का खुलासा तब हुआ जब मृतका के दामाद ने गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई। पूछताछ करने पर बेटे ने मां की हत्या करना स्वीकार कर लिया और उसकी निशानदेही पर पुलिस ने शव भी बरामद कर लिया है।

जांच के दौरान बेटे पर शक हुआ तो सख्ती से की पूछताछ : घटना 4 जनवरी की है। ग्राम कान्हरपुर में रहने वाली जगबाई (65) पति मूंगराम राजपूत के दामाद राजकुमार वर्मा ने थाने में अपनी सास की गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखाई। जांच के दौरान पुलिस को जगबाई के बेटे 45 वर्षीय दयाशंकर पर शक हुआ। उसे थाने लाकर पूछताछ की गई।

सख्ती से पूछताछ में बेटे ने पत्नी के साथ मां की हत्या करना स्वीकार किया। पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को लेकर उसके घर पहुंची, जहां आरोपी की बताए जगह की खुदाई कर सड़ चुके शव को बरामद कर लिया। साथ ही हत्या में प्रयुक्त हथियार भी जब्त किया।

जादू-टोना का था शक इसलिए मार डाला : पूछताछ में दयाशंकर ने बताया कि मेरी मां जादू टोना करती रहती थी। 10 साल पहले मेरे पिता मूंगराम को जादू-टोना से मारने की बात कही, इसीलिए मैंने और मेरी पत्नी ने मिलकर मां की गला दबाकर हत्या कर दी। फिर बोरी में भरकर उसे घर की बाड़ी में दफना दिया।

दामाद से कहा- मां बेटी के घर गई : मृतका का दामाद राजकुमार वर्मा अपने ससुराल पहुंचा। यहां आरोपी ने अपनी मां को 15 दिन से बड़ी बहन के यहां ग्राम भावरकछार जाना बताया, जहां पता चला कि उसकी सास वहां गई ही नहीं। इसके बाद दामाद ने 4 जनवरी को थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

महिला का फंदे से लटकता मिला शव, बेटा भी गायब

बिलासपुर। दादी की तेरहवीं में नहीं जाने देने से दुखी महिला की संदिग्ध दशा में मौत हो गई। उसका शव कमरे में लटका हुआ मिला। घटना गुरुवार दोपहर 1 बजे की है लेकिन पति ने 4 बजे इसकी सूचना ससुराल वालों को दी। महिला के परिजनों ने सिविल लाइन पुलिस थाना को इसकी जानकारी दी। पूरे घटनाक्रम के दौरान उनके साढ़े तीन वर्ष के बेटे का भी कहीं पता नहीं चल रहा है।

महिला के परिजन पहुंचे तो घर में घुसने से रोका : ग्रीन गार्डन कॉलोनी निवासी अर्चना शर्मा पत्नी बालमुकुंद शर्मा की गुरुवार दोपहर बेडरूम के बगल से बने हुए छोटे कमरे में बेडशीट से लटकता हुआ शव मिला। पति बालमुकुंद शर्मा का बगल में ही ठेकेदारी का काम चल रहा था। दोपहर में जब बालमुकुंद घर पहुंचा और बेडरूम में गया तो देखा कि अर्चना का शव फंदे से झूल रहा था।

सीसीटीवी 32 में से 16 छह माह से हैं बंद

बिलासपुर। अपराधियों को पकडने़ और अपराधिक मामलों में सबूत जुटाने शहर के चौक-चौराहों पर लगाए गए अधिकांश सीसीटीवी कैमरे बंद पड़े हैं। शहर के 8 चौक चौराहों पर लगाए गए करीब 32 कैमरों में से 16 कैमरे पिछले 6 महीनों से बंद हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि पुलिस ने इन कैमरों को सही कराने का भी प्रयास नहीं किया है। कुल मिलाकर प्रशासन का ध्यान खरीदी पर और ऑपरेशन पर नहीं है।

शहर के चौक चौराहों पर 3 वर्ष पूर्व ट्रैफिक पुलिस ने रायपुर की एक निजी कंपनी के सहयोग से 8 चौक-चौराहों पर 32 सीसीटीवी कैमरे लगवाए थे। इनमें महामाया चौक, नेहरू चौक, जरहाभाठा मंदिर चौक, सत्यम चौक, अग्रसेन चौक, सीएमडी चौक और गांधी चौक शामिल थे। शहर के यही चौराहे सबसे व्यस्त और भीड़भाड़ वाले माने जाते हैं।

इन चौक चौराहों पर लगे कैमरों को सेटे लाइट के माध्यम से पुलिस कंट्रोल रूम और रायपुर पुलिस कंट्रोल रूम से कनेक्ट किया गया था। शुरूआत में सीसीटीवी कैमरों का उपयोग नियम विरूद्ध वाहन चलाने वालों को ई चालान बनाने, वीआईपी पासिंग के दौरान सुरक्षा बरतने, चौक चौराहों पर देर रात तक संदिग्ध रूप से घूमने वालों को पकडने़ और आपराधिक घटनाएं होने के बाद आरोपियों का सुराग लगाने के लिए किया जाता था। पिछले 6 महीनों में नेहरू चौक, राजीव गांधी चौक, सत्यम चौक, सीएमडी चौक, गांधी चौक के कैमरे लगभग बंद पड़े हैं। वहीं अग्रसेन और महामाया चौक और कुछ चौक के एक-दो कैमरे चालू हैं।

चोरी के कई आरोपी पकड़े जा चुके : सीसीटीवी कैमरे की रिकार्डिंग खंगालने वाले पुलिस कर्मी आम तौर परसंगीन मामलों के आरोपियों का सुराग लगाने कंट्रोल रूम पहुंचे थे, रिकार्डिंग के दौरान पुलिस कर्मियों ने कई बाद चोरी की बाइक मे घूमते आदतन चोरों की तस्वीर देखी और उन्हें पकडने़ में सफल भी हो चुकी है।

ई चालान काटना बंद : सीसीटीवी कैमरों क मदद से प्रतिदिन कंट्रोल रूम से नियम विरूद्ध वाहन चलाने वालों के करीब 200 ई चालान काटे जाते थे। बाइक और कार के नंबरों को आधार पर वाहन मालिक के पते पर जुर्माने का भुगतान करने नोटिस भेजा जाता था, लेकिन कैमरे बंद होने के बाद ई चालान भी बंद हो गया है।

आईजी के मिशन सिक्योर सिटी को लगा रहे पलीता : आईजी प्रदीप गुप्ता ने शहर के चौक-चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को सुधरवाने और व्यापारियों के सहयोग से जिले के सभी थाना क्षेत्रों के मुख्य मार्गों पर सीसीटीवी लगवाने के लिए प्रोत्साहन देने के आदेश दिए थे। आईजी गुप्ता ने पुलिस अधीक्षकों को सीसीटीवी कैमरों के लोगों और पुलिस को होने वाले फायदों और सुरक्षा की जानकारी दी थी। आईजी के आदेश के बाद थाना स्तर पर कैमरे लगवाने तो दूर चौक चौराहों पर लगे सीसीटीसी कैमरों को सुधारने में पुलिस कर्मी रूचि नहीं ले रहे हैं। शहर में चोरी, लूट और अन्य संगीन मामले होने पर संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी और पुलिस कर्मी सबसे पहले पुलिस कंट्रोल रूप में लगे सीसीटीवी कैमरा कंट्रोल रूम में सभी चौक चौराहों के कैमरों की रिकार्डिंग खगांल कर आरोपियों की सुराग और पहचान करने का प्रयास करते थे। पिछले 6 महीनों से कैमरे बंद होने के कारण पुलिस कर्मी कंट्रोल रूम आना बंद कर दिए हैं।

स्टेशन निदेशक ने मैनेजर और पेंट्रीकार मैनेजर को लगाई फटकार लगाई

बिलासपुर। स्टेशन निदेशक किशोर निखारे ने गुरुवार को हावड़ा-अहमदाबाद ट्रेन के पैंट्रीकार का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान मिली कई खामियां मिली। आरआईसीटीसी ट्रेन मैनेजर और पेंट्रीकार मैनेजर को लगाई फटकार लगाई गई। निरीक्षण में रेलवे अधिकारियों ने देखा कि पैंट्रीकार में खाने की रेट लिस्ट ही नहीं थी। मांगने पर फूड लाइसेंस भी नहीं दिखाया गया। खाना बनाने व चाय के लिए उपयोग किए जाने वाले पानी के बारे में पूछा गया कि पैंट्रीकार संचालकों ने बताया कि कोच में साफ पानी का उपयोग किया जाता है। जब अधिकारी ने कोच में रखे पानी के ड्रम देखे तो खाली पाए गए। आशंका जताई गई कि ट्रेन में खाना ट्रेन के बाथरूम में मौजूद गंदे पानी से बनाया जा रहा था। पूछताछ के बाद स्टेशन निदेशक ने पैंट्रीकार संचालक को जमकर फटकारा।